GK पुस्तकालय ज्ञान का अभिलेख

बिना लौ के खिलता प्रकाश, रासायनिक संदीप्ति (Chemiluminescence)

लेख का पता

https://www.gklibrarykor.com/hi/article/7744/

PDF लेआउट का नमूना - केवल अंश

कैंपिंग स्थल या संगीत कार्यक्रम में जब किसी छड़ी को 'चटाक' से मोड़कर हिलाते हैं, तो उसमें चमकीला प्रकाश फैलने लगता है। उसमें न बैटरी होती है, न तार, और हाथ में पकड़ने पर वह गर्म भी नहीं लगती। मोमबत्ती या बल्ब की तरह किसी चीज़ को जलाए या तपाए बिना प्रकाश कैसे निकल सकता है? इसका रहस्य छड़ी के भीतर होने वाली रासायनिक अभिक्रिया में छिपा है। इसी घटना को 'रासायनिक संदीप्ति (Chemiluminescence)' कहते हैं। सरल शब्दों में, रासायनिक संदीप्ति का अर्थ है 'रासायनिक अभिक्रिया से निकली ऊर्जा का ऊष्मा के बजाय प्रकाश में बदलकर निकलना'। इसमें लगभग कोई ऊष्मा नहीं निकलती, इसलिए इसे 'ठंडा प्रकाश' भी कहते हैं। जब यह